Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding resettlement of 48 Tamil families in Andaman and Nicobar Island.

श्री कुलदीप राय शर्मा (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह): सभापति महोदय, बहुत ही दुख के साथ कहना चाहूंगा कि मेरी कांस्टीटुएंसी अंडमान और निकोबार आइलैण्ड में पिछले 86 दिनों से हमारे जो तमिल भाई हैं, जो सेटलमेंट के लिए वहां गए थे। भारत सरकार और श्री लंका सरकार के बीच वर्ष 1984 में शास्त्री जी और भंडारनायके जी के बीच पैक्ट हुआ था, जिसमें 8,75,000 हिन्दुस्तान के लोगों को वापस लाया गया था। उनमें से 78 परिवारों को अंडमान और निकोबार में सेटल किया गया था। उसमें से 30 परिवारों को अच्छे से सेटल किया गया और बाकी 48 परिवारों को ट्राइबल एरिया में सेटल किया गया। दुख की बात यह है कि भारत सरकार के साथ जो पैक्ट हुआ था, जिसमें उन्हें जमीन देने की बात थी तो उन्हें आज तक कुछ भी जमीन नहीं मिली है। उनका आज यह बुरा हाल है कि उनके पास रहने को छत नहीं है, खाने के लिए कुछ नहीं है और जो ट्राइबल एरिया है, वहां कोई काम नहीं है। वे 86 दिनों से, 18 नवम्बर से हमारे तमिल सेटलर भाई हैं। उनकी रिले हंगर स्ट्राइक में छोटे-छोटे बच्चे, बुजुर्ग, बूढ़ी मां सभी तकलीफ के साथ बैठे हैं।

महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि उन्हें जो डेढ़ एकड़ जमीन देने की बात थी, वह उन्हें दी जाए और उन्हें री-सेटल किया जाए। वर्ष 2003 में वाजपेयी जी ने उनके सेटलमेंट के लिए कहा था। वर्ष 2012 में कोलकाता उच्च न्यायालय ने भी उन्हें सेटल करने के लिए कहा था।

महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से और अंडमान-निकोबार प्रशासन से यह मांग है कि उन्हें जल्द से जल्द सेटल किया जाए क्योंकि उनका बहुत बुरा हाल है।